→ सामाजिक तथ्य वे नियम, मूल्य, परंपराएँ और मान्यताएँ हैं, जो व्यक्तिगत चेतना से ऊपर होते हैं और व्यक्ति पर बाहरी दबाव डालते हैं।

→ उन्होंने कहा कि समाजशास्त्र को इन तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए, जैसे प्राकृतिक विज्ञान अपने विषयों का करते हैं - अर्थात वस्तुनिष्ठ, (objective) और वैज्ञानिक (Scientific) ढंग से।

→ सामाजिक तथ्यों का अध्ययन सामुहिक चेतना (Collective Representation) के स्तर पर किया जाना चाहिए, न कि व्यक्तिगत विचारों के आधार पर।

→ समाजशास्त्र सामाजिक तथ्यों का वैज्ञानिक अध्ययन है जो व्यक्ति पर बाहरी और बाध्यकारी प्रभाव डालते हैं।

by —

Dr. Sanjukta Prakash.